सांध्य दैनिक
4PM

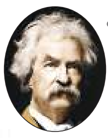

भले ही आप कपडे पहनने में लापरवाह रहिये पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिये।
-मार्क ट्वेन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 05 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 5 फरवरी, 2025

बीसीसीआई ने बदले रणजी... 7 | दिल्ली चुनाव के बाद यूपी पर भी... 3 | मिल्कीपुर उपचुनावः अखिलेश यादव... 2

दिल्ली की जंग में आरोपों की बौछार

आप नेताओं पर जमकर हुई एफआईआर

फर्जी स्याही लगाने से लेकर बूथ कैप्चर करने तक के लगे आरोप

» केजरीवाल का दावा बीजेपी ने वोटर्स की उंगलियों पर जबरदस्ती लगा दी स्याही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गये। उत्साह से भरपूर दिल्लीवासियों ने अपने माताधिकार का जमकर इस्तेमाल किया। विधानसभा की जंग आप और भाजपा के बीच रही। कहीं-कहीं कांग्रेस ने लड़ाई को त्रिकोणीय बनाया।

दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के लिए बीजेपी ने पूरे दमखम से चुनाव लड़ा लेकिन वोट डाल कर बाहर निकले मतदाताओं से बातचीत के आंकलन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि वह सरकार बनाने की रेस से बाहर है। आज की वोटिंग में युवा मतदाताओं ने जमकर वोट बरसाए। वहीं छुटपुट हिंसा भी देखने को मिली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से लेकर आम कार्यकर्ता तक पर एफआईआर दर्ज होते देखी गयी। सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह, मनीष सिसौदिया समेत तमाम आप नेताओं ने बीजेपी पर सत्ता के गलत इस्तेमाल का अरोप लगाया। संजय सिंह का आरोप था कि बीजेपी ने लोगों की उंगलियों पर जबर्दस्ती स्याही लगा कर उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया। वहीं बीजेपी ने बुर्कानशी वोटर्स पर उंगलियां उठाई।

“ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी एक्स पर लिखा है कि यह वीडियो देखिए। चुनाव से पहले वोटरों की उंगलियों पर स्याही लगाई जा रही है। उन्हें वोट देने से राकने की साजिश है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से शिकायत की जा चुकी है, उम्मीद करते हैं की चुनाव आयोग पूरी दिल्ली में इस पर युद्धस्तर पर कार्रवाई करेगा और लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार छिनने नहीं देगा। ”

“ आप नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर लिखा, चुनाव से एक दिन पहले ही अंगुली पर निशान लगवा दिया जा रहा है, ताकि कल ये लोग वोट ही न डाल पाएं।

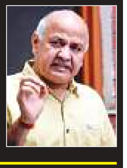

आम आदमी पार्टी ने जारी किया वीडियो

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने गांधी नगर इलाके में चुनावी स्याही लगाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें कुछ लोग कथित रूप से मतदाताओं की उंगलियों पर स्याही लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह सब जानबूझकर किया जा रहा है ताकि उन लोगों को मतदान से रोका जा सके।

46.55%

दिल्ली में तीन बजे तक हुआ मतदान

57%

मिल्कीपुर में तीन बजे तक हुआ मतदान

सीलमपुर में मतदान के बीच हंगामा, भाजपा ने बुर्के की आड़ में लगाया फर्जी वोटिंग का आरोप

आप नेताओं पर ताबड़तोड़ एफआईआर

दिल्ली चुनाव में बुधवार का दिन एफआईआर का दिन रहा। जिसमें आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं पर अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गयी। आम आदमी पार्टी का कहना है कि उनके नेताओं पर थोक में एफआईआर दर्ज की गयी जबकि उन्होंने जो शिकायत दर्ज कराई उन पर कार्रवाई नहीं हुई।

- दिल्ली की सीएम आतिशी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। आतिशी के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में गोविंदपुरी थाना में एफआईआर दर्ज की गई है।
- आचार संहिता उल्लंघन के मामले में ओखला से आप प्रत्याशी अमानतुल्लाह खान पर एफआईआर दर्ज की गयी।
- भाजपा कार्यकर्ता द्वारा पीटने के आरोप के बाद आप विधायक अजय दत्त की पत्नी सुनीता और ससुर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि उन्हें पता चला है कि बीजेपी के लोगों ने वोटर्स की उंगलियों पर पहले से स्याही लगाने की योजना बनाई है। इन लोगों ने कई किलो स्याही खरीदी है और पुलिस में करोड़ों रूपये बांटे गये। बीजेपी को सब तब करना पड़ता है जब वह बुरी तरह से हार रही है।

वोट डालने के बाद बोले मतदाता केजरीवाल का पलड़ा भारी

बुजुर्ग माता-पिता के साथ डाला केजरीवाल ने वोट

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी और बेटे के साथ मतदान किया। उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में बाहर आएं और अपना वोट जरूर दें। केजरीवाल ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर वे अच्छा सुशासन, मोहल्ला क्लीनिक, अच्छे सरकारी स्कूल और सभी सुविधाएं चाहते हैं तो अपना वोट जरूर करें। अरविंद केजरीवाल अपने घर के पास बने मतदान केंद्र पर अपने परिवार के साथ पैदल ही पहुंचे थे। वे अपने बुजुर्ग माता-पिता को व्हीलचेयर पर बैठाकर उन्हें मतदान केंद्र तक ले गए थे।

नहीं बर्दाश्त करेंगे बीजेपी की गुंडागर्दी : सुनीता

इस मौके पर सुनीता केजरीवाल ने भी मीडिया से बातचीत की और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दिल्ली की जनता बहुत समझदार है और गुंडागर्दी को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगी। इसलिए सभी से अपील है कि वे अपना वोट जरूर डालें।

आम आदमी पार्टी की जीत का भरोसा

उन्होंने बताया कि उनके बुजुर्ग माता-पिता पूरे प्रयास लगाकर मतदान केंद्र पहुंचे हैं। उन्होंने पूरी दिल्ली की जनता से अपील की कि अपने मतदान का जरूर इस्तेमाल करें ताकि अच्छे मोहल्ला क्लीनिक, अच्छे स्कूल और अच्छे अस्पताल बनाए जा सकें। उन्होंने लोगों से विनती की है कि दिल्ली के विकास के लिए अपना वोट जरूर डालें।

बेटे ने संभाली दादा की चेयर

इस दौरान उनके पिता की व्हीलचेयर को उनके बेटे ने संभाल रखा था और अपनी माता की व्हीलचेयर को खुद अरविंद केजरीवाल पकड़े हुए चल रहे थे। बाहर आकर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मतदान को लेकर उनके परिवार के सभी लोग काफी उत्साहित थे।

रामगोपाल के तंज ने खड़ा किया बवाल

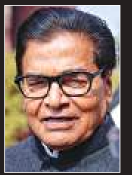

सपा के शीर्ष नेता रामगोपाल ने यादव ने मिल्कीपुर में हो रहे उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग को धृतराष्ट्र बोल दिया। उनके इस बायान की बीजेपी आलोचना कर रही है और सवैधानिक संस्थाओं पर उंगली खड़ा करना बता रही है। गौरतलब है कि सपा सांसद ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर वोटिंग से पहले चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आयोग ने 3 फरवरी को अखिलेश यादव को बैठक करने की अनुमति नहीं दी और गलत समन्वय अधिकारी नियुक्त किए, तो उसने सारी हदें पार कर दीं। चुनाव आयोग पूरी तरह से धृतराष्ट्र बन गया है।

मिल्कीपुर उपचुनाव : अखिलेश यादव ने लगाये प्रशासन पर बुर्का हटा कर चेकिंग के गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुई वोटिंग के दौरान समाजवादी पार्टी की ओर से सोशल मीडिया के जरिए तमाम आरोप लगाए लगे हैं। वहीं वोटिंग में गड़बड़ी को लेकर समाजवादी पार्टी ने शिकायतों की झड़ी लगा दी है। सपा प्रत्याशी से लेकर अखिलेश यादव तक शिकायतें कर रहे हैं। सपा के आधिकारिक एक्स से भी लगातार शिकायतें चुनाव आयोग के संज्ञान में लाई जा रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक पुलिस अधिकारी का फोटो पोस्ट कर उसे तत्काल हटाने और दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

मिल्कीपुर उपचुनाव में राय पट्टी अमानीगंज में फर्जी वोट डालने की बात अपने मुँह से कहने वाले ने साफ कर दिया है कि भाजपा सरकार में अधिकारी किस तरह से धांधली में लिप्त है। निर्वाचन आयोग को और कोई सबूत चाहिए क्या?

सपा ने आरोप लगाया है कि वोट करने आ रही महिलाओं की बुर्का हटाकर चैकिंग की जा रही है। सपा ने पत्र लिखकर कहा है कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में महिला मतदाताओं का बुर्का हटाकर मतदान कर्मियों के द्वारा जांच की जा रही है।

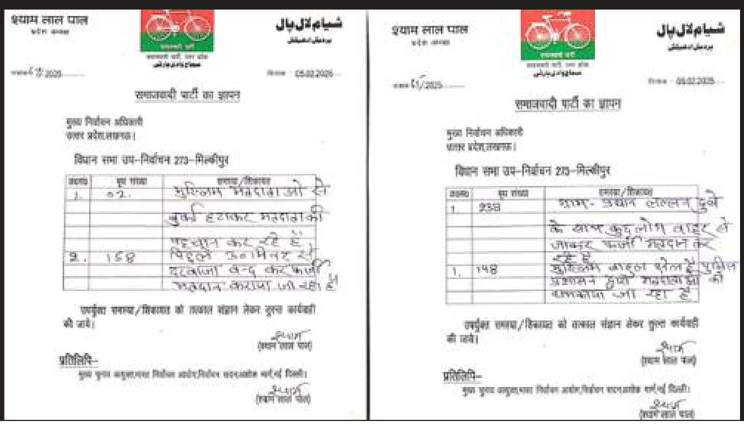

सिर्फ चुनाव अधिकारी को है चेकिंग की पावर

चुनाव आयोग के नियम के अनुसार मतदान के दिन वोट डालने से पहले हर मतदाता का वेरिफिकेशन करना होता है। चुनाव आयोग की ओर से नियुक्त निर्वाचन अधिकारी वोटर आईडी कार्ड और अन्य दस्तावेज जांच सकता है। यानी वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्र की जांच केवल निर्वाचन अधिकारी या बूथ पर मौजूद पीठासीन अधिकारी कर सकता है। अगर निर्वाचन अधिकारी को कुछ संदिग्ध लगता है तो पुलिस या ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षाकर्मी आईडी की जांच कर सकता है।

फिर क्यों की पुलिस ने चेकिंग

निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार पुलिसकर्मी या सुरक्षाकर्मियों का काम मतदान को शांतिपूर्वक करना और व्यवस्था बनाए रखना है। वे वोटर आईडी चेक नहीं कर सकते हैं। आईडी चेक करने के संपूर्ण अधिकार पोलिंग पार्टी के पास होते हैं। गौरतलब है कि इस तरह के आरोप कानपुर में हुए उपचुनाव के दौरान भी खूब लगे थे।

अमेरिका से डिपोर्ट हुए लोगों में सबसे ज्यादा गुजरात से

» 6 राज्यों के 104 भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचा अमेरिका सेना का विमान

» गुजरात से 33, पंजाब से 30 लोग शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका की सत्ता में वापसी के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार अवैध आप्रवासियों पर सख्ती बरत रहे हैं और उन्हें देश से बाहर कर रहे हैं। इसका असर अब भारत पर भी देखने को मिल रहा है। क्योंकि बुधवार को ऐसे ही कई भारतीयों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर पहुंचा। इस विमान में कुल 104 लोग सवार थे जो अवैध रूप से अमेरिका पहुंचे थे, लेकिन ट्रंप की सख्ती के बाद उन्हें डिपोर्ट कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, अमेरिका से डिपोर्ट किए गए ये लोग देश के 6 अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं। अमेरिकी सैन्य विमान सी-17 बुधवार दोपहर अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया। विमान ने मंगलवार को अमेरिकी शहर सैन एंटोनियो से भारत के लिए उड़ान भरी थी। अमेरिकी मिलिट्री की फ्लाइट संख्या आरसीएम 175 के पहले सुबह आठ बजे अमृतसर पहुंचने की जानकारी मिली थी, लेकिन ये विमान बुधवार दोपहर दो बजे अमृतसर पहुंचा। ये विमान शाम साढे चार बजे वापस अमेरिका के लिए रवाना होगा। इसे देखते हुए एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

किस राज्य के कितने लोग पहुंचे अमृतसर

अमेरिकी एयरफोर्स का C-17 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से अमृतसर पहुंचे इन लोगों में 104 भारतीय शामिल है जो देश के छह राज्यों के रहने वाले हैं। इनमें हरियाणा के 33, गुजरात के 33, पंजाब के 30, उत्तर प्रदेश के 02, चंडीगढ़ के 02 और महाराष्ट्र के 03 लोग शामिल हैं। जिन लोगों को अमेरिका से डिपोर्ट किया गया है अब उनकी यहां भी पूरी पृष्टिभूमि खंगाली जाएगी। उनके दस्तावेज चेक करने के अलावा एजेंसियां पूरी पृष्ठभूमि खंगाली जाएगी। इनमें से अगर किसी का आपराधिक रिकॉर्ड मिला तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा।

ओह नो...एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया भारतीय रुपया

» रूपया पहुंचा अपने सबसे निचले स्तर पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रिजर्व बैक द्वारा रेपो रेट में कटौती की आ रही खबरों के बीच आज शेयर बाजार एक बार फिर फिसल गया। इस करोबारी सत्र में बाजार में दूसरी बड़ी गिरावट देखने को मिली। वहीं स्टॉप लॉस ने गिरावट को और तेज कर दिया, जिससे रूपया 2025 में एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है।

बीएसई संसेक्स 0.28 फीसदी गिरकर 78,375 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 0.06 फीसदी गिरकर 23,726 पर आ गया। बेहतर आय परिदृश्य के कारण ओएनजीसी और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की अगुआई में एनर्जी शेयरों में बढ़त ने उपभोक्ता शेयरों में गिरावट की भरपाई कर दी। एफएमसीजी, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांकों ने हरे निशान में कारोबार किया।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर

आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती के दांव और स्टॉप लॉस के कारण रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया. मंदी की भावना, विदेशी निकासी और घरेलू ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.4650 पर बंद होकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया. स्टॉप लॉस ने गिरावट को और तेज कर दिया, जिससे यह 2025 में एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई.

312 अंक की गिरावट

आज का शेयर बाजार बंद होने पर, सेंसेक्स 312.53 अंक या 0.40 फीसदी की गिरावट के साथ 78,271.28 पर था, और निफ्टी 42.95 अंक या 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ 23,696.30 पर था। लगभग 2470 शेयरों में तेजी आई, 1345 शेयरों में गिरावट आई और 130 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

मीडिया सेक्टर में बढ़त

एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी और ऑटो को छोड़कर बाकी सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। तेल और गैस, मेटल, मीडिया, एनर्जी, पीएसयू बैंक में 1-1.8 फीसदी की वृद्धि हुई। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में करीब 2 फीसदी की वृद्धि हुई।

वित्त मंत्रालय की अपने कर्मचारियों को चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वित्त मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों से आधिकारिक उद्देश्यों के लिए चैट जीपीटी और डीपसीक जैसे एआई उपकरणों का उपयोग करने से बचने के लिए कहा है। मंत्रालाय को अंदेशा है कि चैटबॉट सरकारी दस्तावेजों और डेटा की गोपनीयता के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट में एडवाइजरी के हवाले से कहा गया है कि यह निर्धारित किया गया है कि ऑफिस के कंप्यूटरों और उपकरणों में एआई उपकरण और एआई ऐप (जैसे चैटजीपीटी, डीपसीक आदि) (सरकारी) डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

पिछले हफ्ते डच गोपनीयता निगरानी संस्था एपी ने घोषणा की कि वह डीपसीक की गोपनीयता नीतियों की जांच शुरू कर रहा है। विशेष रूप से यह कि ऐप यूडर की व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग कैसे करता है। अपनी अचानक लोकप्रियता के बाद से, डीपसीक अपनी गोपनीयता नीतियों को लेकर दुनिया भर के विनियामकों की बढ़ती जांच के दायरे में आ गया है। देश के डेटा सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा उठाई गई गोपनीयता चिंताओं को संतुष्ट करने में विफल रहने के बाद चीनी ऐप को पहले ही इटली में बैन का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली चुनाव के बाद यूपी पर भी पड़ेगा प्रभाव!

सपा ने कांग्रेस को छोड़ आप का दिया साथ

» लोस चुनाव में राहुल अखिलेश की जोड़ी ने किया था कमाल

» क्या आगे भी सलामत रहेगा दोस्ताना

» मिल्कीपुर में सपा के साथ खड़ी है यूपी कांग्रेस

संजीव पाठक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्तर के दशक में बॉलीवुड में 2 हीरों की जोड़ी चलती थी। अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना की.... जोड़ी कभी हिट होने की गारंटी होती थी.....। विनोद खन्ना से अनबन के बाद अमिताभ ने शशि कपूर के साथ अपनी जोड़ी बना ली...... । बाद में कई और सितारों ने भी अपनी जोड़ी बनाने की कोशिश की..... । पर राजनीति में राहुल गांधी और अखिलेश की जोड़ी को प्रशांत किशोर के डायरेक्शन में जो लोकप्रियता मिली उसकी चर्चा आज भी होती है......।

हालांकि ये जोड़ी 2017 में यूपी विधानसभा चुनावों में फ्लॉप होते ही टूट गई पर 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम ने राजनीतिक विश्वेषकों में इनके लिए बहुत उम्मीद जगा दी थी। पर बॉलीवुड की तरह ही राजनीति में जोड़ी बनने और बिछड़ने के कई कारण होते हैं। अखिलेश यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में जिस तरह राहुल गांधी और कांग्रेस को छोड़ अरविंद केजरीवाल के साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं, वो कुछ अच्छा संकेत नहीं है, ऐसा लगता है कि बहुत जल्द ही यूपी में राहुल और अखिलेश की जोड़ी टूट सकती है। हालांकि मिल्की पुर में दोनों एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं।

अखिलेश का पीडीए व कांग्रेस का परंपरागत वोटर्स पर नजर

अखिलेश यादव की पीडीए वाली राजनीति भी दलित-अल्पसंख्यक और पिछड़ी जाति वाली है। अखिलेश यादव को यह भली भांति पता है कि कल को कांग्रेस अगर दलित-मुसलमान और पिछड़ों का वोट बैंक बनाने में सफल हो जाती है तो वो कहां जाएंगे क्योंकि कांग्रेस के परंपरागत वोटर्स दलित और मुसलमान उसके पास वापस आ रहे हैं. अगर पिछड़े भी कांग्रेस के पास पहुंचने लगे जाहिर हैदेश में सिर्फ कांग्रेस और बीजेपी ही दो पार्टियां रह जाएंगीअखिलेश यह सब समझ रहे हैं, इसलिए क्या वो भविष्य के लिए ऑप्शन ले कर चल रहे हैं।

तेजस्वी व अखिलेश को कसनी होगी कमर

बता दें कि राहुल लगातार हर मंच से जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी का मुद्दा उठा रहे हैं। दलित इनफ्लएंशर के कार्यक्र म में राहुल ने एक बार फिर याद दिलाया कि मैंने बजट के समय कहा था कि पिछड़ों की आबादी 50 प्रतिशत है, लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी सिर्फ 5 प्रतिशत है

दलितों की आबादी 15 प्रतिशत है। लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत है। अगला सवाल सत्ता में हिस्सेदारी और धन में हिस्सेदारी का है। दरअसल पिछड़ों के हिस्सेदारी की बातें जिस तरह से राहुल गांधी उठा रहे हैं., उस तरह तो पिछड़ों की हार्ड कोर राजनीति करने वाले दल समाजवादी पार्टी और आजेडी ने भी कभी नहीं की। जाहिर है इसका असर तो पड़ेगा। अखिलेश यादव ही नहीं अरविंद केजरीवाल और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के लिए भी कांग्रेस से सावधान हो जाने की जरूरत है।

पिछड़ी जाति के वोटों को एकजुट करने में जुटे राहुल

बता दें कि राहुल गांधी पिछले कुछ सालों से लगातार पिछड़ी जाति के वोटों को लेकर बहुत सक्रिय हैं। जाति जनगणना कराने का उनका वादा हर मंच से होता है, जाति जनगणना पिछड़ी जाति के लिए ही फलदायक है., क्योंकि दलितों की गणना तो हर जनगणना में होती है, इसी तरह मुसलमानों की गणना भी हर जनगणना में होती है। जाति जनगणना की उनकी डिमांड उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी की ह। जबकि सभी जानते हैं कि दिल्ली में पिछड़ों की राजनीति का कोई असर नहीं है। पर राहुल गांधी ने दिल्ली में भी जाति सर्वे का वादा करके दिखा दिया है,कि पिछड़ों की

चिंता उनके लिए सर्वोपरि है। यहां तक कि बिहार में लालू यादव के घर खिचड़ी की दावत में भी उन्होंने जाति जनगणना को लेकर कुछ ऐसा कहा जिससे निश्चित ही लालू परिवार को भी अच्छा नहीं लगा होगा। बिहार में जिस जाति सर्वे को तेजस्वी यादव अपनी उपलब्धि बताते रहे हैं.... राहुल गांधी ने उसे ही फर्जी बता दिया और उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की सरकार आने पर पूरे देश में नए सिरे जाति सर्वे कराया जाएगा जाहिर है कि पिछड़ों के बीच हीरो बनने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में पिछड़ों के सबसे बड़े नेता हैं.जाहिर है कि राहुल गांधी के इन प्रयासों से उन्हें खतरा महसूस होता ही होगा।

कांग्रेस पर विरोधी लगाते हैं कई आरोप

वहीं कांग्रेस के विरोधी यह बार बार कहते रहे हैं कि पिछड़ों के लिए हमेशा पार्टी अवरोध बनकर खड़ी रही,कांग्रेस पर आरोप रहा है कि अस्सी के दशक में इंदिरा गांधी. और राजीव गांधी जैसे प्रधानमंत्री मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबाकर बैठे रहे। दरअसल पिछड़ा वोट बैंक कभी कांग्रेस का वोटर रहा ही नहीं पर राहुल गांधी पिछड़ी जाति के वोटों के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं गुरुवार को दलित इनफ्लएंशरों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांधी ने साफ–साफ माना है कि 1990 के दशक में कांग्रेस ने दलितों और अत्यंत पिछड़ी जातियों के हितों की उस तरह रक्षा नहीं की। जिस तरह से उसे करनी चाहिए थी। जाहिर है कि यहां उन्होंने नाम तो दलितों का भी लिया है। पर उनका यह स्टेटमेंट विशेषकर पिछड़ी जातियों के लिए ही है क्योंकि दलितों के लिए तो कांग्रेस ने हमेशा कुछ न किया ही है और उन्होंने कहा कि अगर एक बार कांग्रेस का ऑरिजिनिल बेस पार्टी के साथ आ जाए तो बीजेपी और आरएसएस को भागना पड़ेगाऔर ऐसा जल्द होगा, राहुल गांधी के इस ओरिजनल बेस से अखिलेश यादव ही नहीं पूरा इंडिया गुट डर रहा है।

यूपी में सपा ही कांग्रेस से बड़ी

हालांकि, पिछले दिनों उत्तरन प्रदेश में हुए उपचुनावों के दौरान अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के टिकटों की घोषणा करते हुए ये संकेत दे चुके थे कि अब वे कांग्रेस को यूपी में ज्यादा मोहलत नहीं देना चाहते हैं। कांग्रेस ने अपना सम्मा न बचाए रखने के लिए विवाद से ये कहकर किनारा कर लिया कि उपचुनाव में दोनों पार्टियां मिलकर रही हैं। लेकिन उम्मीदवार सपा के ही टिकट पर हैं., कांग्रेस ऐसा एकतरफा दोस्ताना निभाने की स्थिति में नहीं है., यूपी में राहुल गांधी पार्टी के संगठन को नए कलेवर में लेकर आना चाहते हैं और अखिलेश यादव इसका मतलब बहुत अच्छी तरह समझते है।

बसपा से सपा ने मिलाया था हाथ

यूपी में वैसे तो बसपा व सपा का गठबंधन मायावती के सीएम बनने से पहले भी हो चुका है। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका कांशीराम व मुलायम सिंह यादव की थी। पर तल्खी बढ़ने के बाद वह गठबंधन टूट गया। फिर मुलायम व मायावती साथ आए पर वह भी कुछ खास दिनों तक टिक नहीं पाए। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा था कि लोकसभा चुनाव-2019 में सपा-बसपा का गठबंधन टूटने पर सालों बाद अखिलेश यादव की सफाई कितनी विश्वसनीय और उचित है। चुनाव में बसपा की 10 और सपा की 5 सीटों पर जीत के बाद गठबंधन टूटने के बारे में मैंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा था कि सपा प्रमुख ने मेरे फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था ।बसपा सुप्रीमो ने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए आज सोशल मीडिया पर लिखा था अब इतने सालों बाद सफाई देना कितना उचित व विश्वसनीय है, यह सोचने वाली बात है। बसपा सैद्धांतिक कारणों से गठबंधन नहीं करती है। अगर बड़े उद्देश्यों को लेकर कभी गठबंधन करती है तो फिर उसके प्रति ईमानदार भी जरूर रहती है। सपा के साथ 1993 व 20219 में हुए गठबंधन को निभाने का भरपूर प्रयास किया गया, लेकिन बहुजन समाज के हित व आत्मसम्मान सर्वोपरि है। बसपा जातिवादी संकीर्ण राजनीति के विरुद्ध है। लिहाजा चुनावी स्वार्थ के लिए आपाधापी में गठबंधन करने से अलग हटकर बहुजन समाज में आपसी भाईचारा बनाकर राजनीतिक शक्ति

बनने का मूवमेंट है। ताकि डॉ. भीमराव अंबेडकर का मिशन सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त कर आत्मनिर्भर हो सके। उन्होंने यूपी उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे थे। इसके लिए उन्होंने ी अपनी बुकलेट में लिखा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को सामाजिक व शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर मिल रहे सवैधानिक अधिकारों के विरुद्ध आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने की नई परंपरा की शुरुआत भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर की है। आरक्षण का यह नया अध्याय गरीबी उन्मूलन की सरकारी स्कीम है। इस व्यवस्था का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। यह रोग आईएएस अफसरों तक फैल जाने से पूरी व्यवस्था ही कटघरे में खड़ी हुई नजर आ रही है। यह गवर्नेंस के मामले में शर्मिंदा होने वाली बात है। जूता सिलने की मशीन देना कांग्रेस का सामाजिक बदलावउन्होंने लिखा कि हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा जूता मरम्मत का स्वरोजगार करने वाले व्यक्ति की दुकान पर जाना और बाद में उसे जूता सिलाई की मशीन भिजवाना सामाजिक बदलाव का बड़ा कदम बताया गया। बसपा और अन्य दलों की सोच में यही अंतर है। ये लोग हाथ की जगह मशीन से जूता मरम्मत करवाने को सामाजिक बदलाव का बड़ा काम मानकर चलते हैं, जबकि बसपा का सामाजिक परिवर्तन का मिशन कहता है कि जूता मरम्मत या सफाई आदि का कार्य एक जाति विशेष का व्यक्ति ही अपने जन्म के आधार पर क्यों करे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारत की साख पर आने लगी आंच!

"पहले जहां नौकरियों में भारतीयों की कमी की बात उठी उसके बाद नागरिकता पर कटौती हुई नये मामले में अमेरिका ने भारतीयों देश वापस भेजना शुरू कर दिया है। अब देखना होगा भारत सरकार क्या करती है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने वाले हैं।

वर्तमान में भारत की साख पूरी दुनिया में गिर रही है। अभी ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सबसे शक्तिशाली देशों की सूची के टॉप-10 से वह बाहर हो गया है। इससे पहले पार्सपोर्ट के मामले में भी भारत को नुकसान उठाना पड़ा था। उधर जबसे डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं भारत पर मुसीबतों का जैसे पहाड़ टूट गया है। पहले जहां नौकरियों में भारतीयों की कमी की बात उठी उसके बाद नागरिकता पर कटौती हुई नये मामले में अमेरिका ने भारतीयों देश वापस भेजना शुरू कर दिया है। अब देखना होगा भारत सरकार क्या करती है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने वाले हैं। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा फ्रांस के उनकी यात्रा के ठीक बाद रखी गई है। लेकिन पीएम मोदी का विमान अमेरिका में लैंड करता उससे पहले ही अमेरिकी सैन्य विमान ने नई दिल्ली में टच डाउन कर लिया है। अवैध रूप से रह रहे भारतीयों पर अमेरिका की ट्रंप सरकार ने बड़ा एक्शन ले लिया है।

सैन्य विमान से भारतीयों को वापस अपने मुल्क रवाना कर दिया गया। यानी अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की डिपोर्टिंग शुरू कर दी गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभालने से पहले ही ये साफ कर दिया था कि जो लोग अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं, उनको उनके देश वापस भेजा जाएगा। इस दिशा में वो मैक्सिको के लोगों के खिलाफ ये कदम उठा चुके हैं। कोलंबिया के लोग उनकी लिस्ट में हैं और अब खबर आई है कि भारतीयों के खिलाफ भी उन्होंने बड़ा एक्शन लिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने पुष्टि की कि सी-17 सैन्य विमान ने भारतीय प्रवासियों को लेकर उड़ान भरी, जिसके 24 घंटे के भीतर भारत पहुंचने की उम्मीद है। पिछली निर्वासन उड़ानों ने प्रवासियों को ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरास भेजा है। हालाँकि, ट्रम्प के दोबारा कार्यालय संभालने के बाद यह पहली बार है कि भारत को सैन्य निर्वासन कार्यक्रम में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेंटागन ने अब एल पासो, टेक्सास और सैन डिएगो, कैलिफोर्निया में हिरासत में लिए गए 5,000 से अधिक प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए उड़ानों की व्यवस्था करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो दोनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ चर्चा में भारत से अवैध अप्रवासन पर चिंता जताई है। मोदी के साथ अपनी बातचीत के बारे में बोलते हुए ट्रम्प ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत बिना दस्तावेज वाले भारतीय प्रवासियों की वापसी को स्वीकार करने में वही करेगा जो सही है। हम अभी बात कर रहे हैं। अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ पहली बैठक में भी गैरकानूनी तौर पर रहने वाले भारतीयों का मुद्दा उठाया था। अब देखना होगा की अमेरिका के इस फैसले के बाद भारत पर क्या असर होता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीवनशैली में सुधार से घातक रोग पर अंकुश संभव

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी ग्लोबोकॉन के मुताबिक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के चलते विश्वभर में 2040 तक कैंसर के मामले प्रतिवर्ष 2.84 करोड़ तक पहुंच सकते हैं, जो 2020 के मुकाबले 47 फीसद ज्यादा होंगे। वर्ष 2020 में दुनियाभर में अनुमानित तौर पर कैंसर के 1.93 करोड़ नए मामले आए थे और लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार कैंसर मरीजों की संख्या वैश्वीकरण और बढ़ती अर्थव्यवस्था से जुड़े जोखिम कारकों में वृद्धि से बढ़ सकती है। लोगों को कैंसर के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दुनियाभर में प्रतिवर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। बीएमजे ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की स्टडी के अनुसार पिछले 30 वर्षों में दुनियाभर में 50 वर्ष से कम आयु के लोगों में कैंसर के नए मामलों में 79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इस दौरान श्वासनली और प्रोस्टेट कैंसर के मामले सर्वाधिक रिपोर्ट किए गए, जो चिंता बढ़ाने वाले हैं। 1990 के बाद से श्वासनली और प्रोस्टेट कैंसर सबसे तेजी से बढ़ा। 2019 की शुरुआत में स्तन कैंसर के मामले सर्वाधिक रिपोर्ट किए जा रहे थे, जिसका जोखिम बना हुआ है। स्तन, श्वासनली, फेफड़े, आंत और पेट कैंसर के कारण अभी भी सर्वाधिक मौतें रिपोर्ट की जा रही हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 में कैंसर के नए शुरुआती मामलों में 31 प्रतिशत और उससे जुड़ी मौतों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2019 के आंकड़ों के आधार पर रिसर्चर्स के मुताबिक-2019 में 50 से कम उम्र के लोगों में कैंसर के नए मामलों की संख्या 1.82 मिलियन थी, जो 1990 के आंकड़े से 79 प्रतिशत अधिक थी। भारत में कैंसर के निरन्तर बढ़ रहे मामले स्वास्थ्य ढांचे के लिए गंभीर चुनौती हैं।

प्री-मैच्योर मौत का सबसे बड़ा कारण माने जाने वाले कैंसर के मामलों का ग्राफ देश में लगातार ऊपर की ओर जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया में प्रतिवर्ष एक करोड़ से भी ज्यादा कैंसर के नए मामले सामने आते हैं और दुनिया के 15 फीसदी कैंसर मरीज भारत में हैं। कई मामलों में तो मरीज अपना इलाज तक नहीं करा पाते।

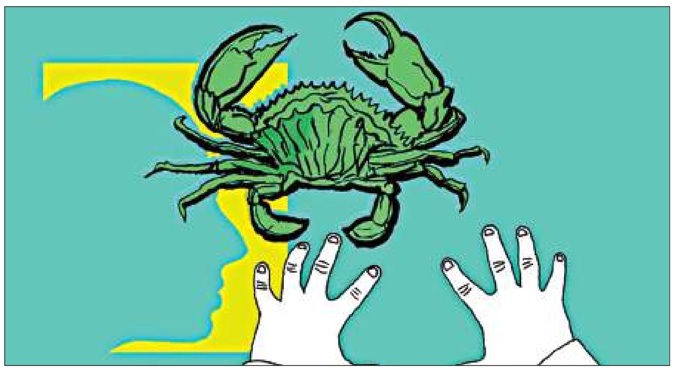

इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आगामी पांच वर्षों में कैंसर मामलों की संख्या 12 फीसदी बढ़ जाएगी। यहां कैंसर के 40 फीसदी से भी ज्यादा मरीज फेफड़े, स्तन, अन्नप्रणाली , मुंह, पेट, लीवर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पीड़ित हैं, जिनमें फेफड़ों के कैंसर से 10.6 फीसद, स्तन कैंसर से 10.5, अन्नप्रणाली कैंसर से 5.8, मुंह के कैंसर से 5.7, पेट के कैंसर से 5.2, लीवर कैंसर से 4.6 और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से 4.3 फीसदी लोग पीड़ित हैं। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में कैंसर के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। आईसीएमआर तथा नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉरमेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) के अनुसार भारत में कैंसर के कुल केसों का करीब 27 फीसदी तम्बाकू जनित होने की संभावना है। इसके अलावा स्तन कैंसर के 2.4 लाख जबकि फेफड़ों के कैंसर के 1.1 लाख तथा मुंह के कैंसर के 90 हजार मामले सामने आ सकते हैं । रिपोर्टों के अनुसार पुरुषों में कैंसर के 50 फीसदी मामले तम्बाकू के कारण होते हैं। अमेरिका के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञ डा. जेम अब्राहम चेतावनी दे चुके हैं कि भारत को कैंसर जैसी क्रॉनिक बीमारियों की सुनामी का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक वैश्वीकरण, बढ़ती अर्थव्यवस्था, बढ़ती आबादी और बदलती जीवनशैली के कारण ये मामले बहुत तेजी से बढ़ेंगे। हालांकि कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए टीके, एआई, डेटा डिजिटल तकनीक का विस्तार, लिक्विड बायोप्सी से निदान, जीन एडिटिंग टेक्नॉलोजी का विकास एवं अगली पीढ़ी के इम्युनोथैरेपी तथा सीएआर टी सेल थैरेपी का इस्तेमाल कैंसर के उपचार को नया रूप देंगे।

वहीं डिजिटल तकनीक, आईटी तथा टेली-हैल्थ से मरीजों एवं विशेषज्ञों के बीच खाई कम होगी। चुनौती होगी कि इन प्रौद्योगिकियों को लाखों लोगों के लिए कैसे सस्ता और सुलभ बनायें। डा. अब्राहम के मुताबिक, कैंसर मरीजों के बढ़ते आंकड़ों को रोकने का एकमात्र विकल्प टीकाकरण है। ऐसे सभी टीकों पर परीक्षण जारी हैं। महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार कैंसर के 70-90 फीसद मामले पर्यावरण से जुड़े हैं, जिनमें कैंसर का कारण बनने वाले पर्यावरणीय जोखिमों में जीवनशैली कारक सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिनमें सुधार करके कैंसर की सुनामी रोकना संभव है।

कारगर तंत्र बने महामारियों से निपटने को

राजेश भाटिया और जय प्रकाश नारायण

लोगों के ज़हन से कोविड-19 महामारी के दौरान हुई तबाही, मौतें और सामाजिक अफरातफरी का दृश्य और उससे पाई सीख धीरे-धीरे मिटती जा रही है। ऐसा होना नहीं चाहिए। इस किस्म की पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने की क्षमता रखने वाली महामारी न तो पहली स्वास्थ्य आपात स्थिति थी और न ही आखिरी। कोई भी असाधारण घटना, जो बीमारी के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार के माध्यम से सबके स्वास्थ्य के लिए जोखिम का कारण बन जाए, तो इसका मतलब है ऐसी गंभीर, अप्रत्याशित या असामान्य स्थिति बनना, जिससे निपटने के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। वर्ष 2007 से लेकर, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आधिकारिक तौर पर सात बार अंतर्राष्ट्रीय चिंता वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए हैं।

जैसे कि, इन्फ्लुएंज़ा महामारी (2009), इबोला (2013-2015 और 2018-2020), पोलियो माइलाइटिस (2014 से अब तक), ज़ीका (2016), कोविड-19 महामारी (2020) और एमपॉक्स (2022 और 2024)। उनकी आवृत्ति और प्रसार की नियमितता के आलोक में, तार्किक रूप से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली एक महामारी हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है। सवाल है कि महामारी का कारण क्या है? वर्तमान सहस्राब्दी के दौरान, अधिकांश महामारियां वस्तुत: पशुओं से मनुष्यों में दाखिल हुए वायरस के कारण बनी हैं, जो मूलत: वन्यजीवों के अंदर होते हैं, जहां पर उनके अंदर लाखों-लाख वायरस पल रहे होते हैं। इनमें से अधिकांश वायरस चमगादड़ों के माध्यम से वन्यजीवों से आसपास के जानवरों और मानव बस्तियों में पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय स्तर के प्रकोप से लेकर बड़े पैमाने की महामारी बनती है या फिर महामारी बनने की संभावना बलवती हो जाती है। पर्यावरण का क्षरण, विशेष रूप से वनों की कटाई की वजह से, जंगली जीवों की निकटता घरेलू पशुओं एवं मानव बस्तियों से बढ़ जाती है, जिससे नए-नए वायरस के उभरने और फैलाव का खतरा पैदा हो जाता है।

निस्संदेह, नित बन रही इन आपात स्थितियों को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उचित तैयारी के साथ, समुदायों के लिए बनने वाले जोखिमों को कम किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक उपकरण-आधारित तंत्र विकसित करने और लागू करने के काम में समन्वय किया है। वर्ष 2005 का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन 193 सदस्य देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी एक संधि है। यह राष्ट्रों से पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदाओं की जानकारी साझा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों की रोकथाम, उनका पता लगाने और प्रतिक्रिया के लिए अपनी राष्ट्रीय कोर क्षमता का निर्माण करने का आह्वान करता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के स्व-मूल्यांकन के अनुसार, वैश्विक औसत 66 प्रतिशत के मुकाबले भारत का स्कोर 85 प्रतिशत रहा। लेकिन फिर भी, वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक में भारत को 42.8 स्कोर के साथ 195 मुल्कों में 66वें स्थान पर रखा गया है (वैश्विक औसत 28.4 है)। इस वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक के अनुसार भविष्य की महामारी और महामारी के खतरों के परिप्रेक्ष्य में सभी देशों की तैयारी चिंताजनक रूप से नाकाफी है।

जबकि संभावनाओं में कोविड-19 से कहीं अधिक विनाशकारी खतरे शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नियामक नियमों के अनुरूप बनने में भारत की क्षमता में तत्काल और व्यापक वृद्धि की आवश्यकता है। कोविड-19 महामारी से सीख लेते हुए, एक व्यापक राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून की आवश्यकता है। भविष्य की महामारियों पर नीति आयोग के एक हालिया दस्तावेज़ ने आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन कानून लागू करने की सिफारिश की है ताकि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, रोकथाम, नियंत्रण और प्रतिक्रिया बनाने के लिए त्वरित उपाय पहले से तैयार रहें। वैश्विक स्तर पर, पिछले दो वर्षों से विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों के बीच महामारी संधि पर बातचीत चल रही है, लेकिन आम सहमति न बन पाने की वजह से यह लटकी हुई है। विचार यह है कि कोविड-19 के दौरान की विफलताओं को स्वीकार करते हुए, अगली महामारी से पहले अथवा उसके दौरान सहयोग बढ़ाया जाए।

भारत में उच्चतम तकनीकी स्तर पर वन हेल्थ मिशन की शुरुआत करना अच्छी बात है। इस महत्वाकांक्षी मिशन के कार्यान्वयन में सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने और आम राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने को उत्प्रेरित करने की क्षमता है। भारत ने अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। प्रमुख चुनौतियों में माइक्रो बायोलॉजिकल प्रयोगशालाओं को मजबूत करना शामिल है जो प्रारंभिक शिनाख्त और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं। वेब-आधारित एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के माध्यम से नजर रखने में प्रगति हुई है, जो हर हफ्ते औसतन 40-50 प्रकोपों का पता लगाता है। यह संक्रामक रोगों से संभावित राष्ट्रीय बोझ का सूचकांक है। महामारी से निपटने में विशेष रूप से भारत भर में प्रशिक्षित कार्यबल और फील्ड स्तर पर गुपचुप जानकारी जुटाने वाला एक मजबूत कार्यक्रम बनाने और विस्तार करने की फौरी जरूरत है। ताकि स्थानीय स्तर पर एक प्रभावी जांच एवं रोकथाम क्रियान्वयन तुरंत चलाया जा सके। निगरानी कार्यक्रम को समुदाय और अस्पतालों के डेटा तक सभी संबंधित क्षेत्रों की पहुंच निर्बाध और वास्तविक समय में उपलब्ध करवाने के लिए साझा एकीकृत डेटा पोर्टल सुविधा बनानी होगी

घर में बिना तंदूर के बनाएं नान रोटी

सही रेसिपी को अपनाकर रेस्टोरेंट जैसा खाना आप घर पर आसानी से बना लेते हैं। दाल मखनी हो, पनीर हो व अन्य कोई सब्जी का स्वाद एकदम बाहर के खाने जैसा लाया जा सकता है। इसके लिए आपको बाहर से खाना ऑर्डर करने या रेस्टोरेंट जाने की जरूरत नहीं होती लेकिन जब बात रोटी की आती है तो अधिकतर घरों में तवा रोटी ही बनती हैं। कई घरों में बाजार जैसी नान या तंदूरी रोटी नहीं बन पाती। दरअसल, नान रोटी को तंदूर में ही पकाया जाता है। लोगों को लगता है कि नान या तंदूरी रोटी बनाने के लिए तंदूर की जरूरत होती है, जो आम घरों में नहीं होता। घर पर तंदूरी नान बनाना आसान है। घर पर बिना तंदूर नान रोटी बनाने के लिए आपको खमीर उठाने की भी जरूरत नहीं है।

सामग्री

मैदा, बेकिंग सोडा, नमक, पिसी चीनी, फेंटा हुआ दही, तेल, गर्म पानी, बारीक कटा लहसुन, बारीक कटा हरा धनिया, मक्खन।

तरीका

घर पर नान रोटी बनाने के लिए एक कटोरे में मैदा, चुटकी भर नमक और पीसी चीनी मिला लें। अब इसमें दही और बेकिंग सोडा मिलाकर दो मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में मैदा में तेल और हल्का गर्म पानी मिलाकर आटे को नरम गूंथ लें। कटोरे में हल्का तेल डालकर आटे को फिर से गूंथ लें। इसे 10 मिनट के लिए रख दें। अब आटे की छोटी छोटी लोइयां बना लें। फिर लंबा लंबा बेलकर इस पर बारीक कटा लहसुन और हरा धनिया छिड़ककर फैला लें। अब नान को पलटकर दूसरी तरफ हल्का पानी लगाकर उंगलियों से थपथपाएं। गैस पर कढ़ाई को उल्टा करके गर्म करें और उसमें नान को ऐसे लगाएं कि वह चिपक जाए। नान को आधा ढककर पकाएं, जब नान में बबल बनने लगें तो इसे पलटकर पका लें। आपकी तंदूरी नान तैयार है, प्लेट में रखकर मक्खन लगाकर सर्व करें।

बिना चीनी के बनाएं खजूर के लड्डू

आज के समय में लोग अपनी हेल्थ का अच्छी तरह से ख्याल रखने लगे हैं। इसके लिए वो समय पर उठते हैं, एक्सरसाइज करते हैं। जीवनशैली के साथ-साथ अपने खान-पान को सुधार रहे है। इसी वजह से लोगों ने चीनी खाना भी काफी कम कर दिया है। बहुत से लोग तो चीनी खाना बिल्कुल ही छोड़ चुके हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, लेकिन आपको मीठा खाने की क्रेविंग होती है, तो आप ऐसे लड्डू बना सकते हैं जिनमें चीनी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ये लड्डू काफी पौष्टिक होते हैं। बिना चीनी के होने की वजह से आप इसे बिना झिझके बार-बार खा सकते हैं। तो आप खजूर के लड्डू बना सकते हैं ताकि आप भी अपनी मीठा खाने की क्रेविंग को दूर कर सकें।

सामान

खजूर (बीज निकालकर)- 1 कप, बादाम - 1/2 कप, काजू - 1/2 कप, पिस्ता - 1/4 कप, अखरोट - 1/4 कप, घी - 1 टेबलस्पून, नारियल का बुरादा - 2 टेबलस्पून, इलायची पाउडर - 1/2 टीस्पून।

विधि

बिना चीनी के लड्डू बनाने के लिए आपको सबसे पहले खजूर का पेस्ट तैयार करना है। इसके लिए खजूर को गर्म पानी में 10-15 मिनट भिगो दें ताकि वे मुलायम हो जाएं। फिर उन्हें मिक्सी में पीसकर पेस्ट बना लें। खजूर का पेस्ट तैयार करने के बाद एक पैन में घी गर्म करें और इसमें बादाम, काजू, पिस्ता, और अखरोट डालकर हल्का भून लें। जब सभी मेवा हल्की सुनहरी हो जाए तो इसे मिक्सी में डालकर दरदरा पीस लें। इसके बाद अब लड्डू का मिश्रण तैयार करने की बारी आती है। मिश्रण तैयार करने के लिए सबसे पहले एक बड़ा बर्तन लें और इसमें खजूर का पेस्ट और पिसी हुई मेवा डालें। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद मिश्रण में इलायची पाउडर डालें और फिर से मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे लड्डू बना लें। आखिर में इन लड्डुओं को नारियल के बुरादे में लपेट सकते हैं। इसे आप दो से तीन हफ्तों के लिए स्टोर करके रख सकती हैं।

हंसना मना है

आज कुछ घबराये से लगते हो, ठंड में कपकपाये से लगते हो, निखर कर आई है सुरत आपकी, बहुत दिनों बाद नहाये से लगते हो।

टीटू का सिर फट गया, मिट्ठू- यार, ये कैसे हो गया, टीटू- अब क्या बताऊं यार, मैं पहले जूते से ईंट फोड़ रहा था तभी लूलू शराबी ने कहा कभी अपनी खोपड़ी भी काम में ले लिया करो, फिर क्या खोपड़ी ही फूट गई।

एक दिन संता अपनी भाभी को पीट रहा था, राह चलते लोगों ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला- मेरी भाभी अच्छी औरत नही है, लोगो ने पूछा- क्यों क्या हुआ? संता बोला- यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिसे भी पुछ्‌ तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरे भाभी से।

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है। सासूजी : कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज-रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

कहानी — शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

वृषभ — व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन — गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क — घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह — शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार मिलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है।

तुला — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक — व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें।

धनु — व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं।

मकर — लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

कुम्भ — नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएं रह सकती हैं।

मीन — परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। बेचैनी दूर होगी। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। धनार्जन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दंगल करने के बाद मेरे बाल बढ़ने बंद हो गये थे मैं परेशान थी : सान्या

सान्या मल्होत्रा अब इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन गई हैं। वो फिल्म मिसेज में नजर आने वाली हैं। सान्या फिल्म प्रमोशन में जुटी हैं। इसी दौरान उन्होंने फिल्म दंगल को लेकर बात की। सान्या ने बताया कि दंगल की वजह से क्या निगेटिव इम्पैक्ट पड़ा था। शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में जब उनसे पूछा गया कि दंगल का निगेटिव इम्पैक्ट क्या रहा तो सान्या ने कहा, निगेटिव इम्पैक्ट ये ही था कि बाल नहीं बढ़ रहे थे। मैंने सबकुछ कर लिया था। मैं उल्टी लेट गई, मैंने चंपी की। वो हालत थी इतना लाइफ खराब हो गया मेरा। बता दें कि दंगल सान्या की डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म में वो बबीता कुमारी के रोल में थे। वो रेसलर के किरदार में थीं। इसी वजह से उन्हें अपने बालों को छोटा रखना पड़ा था। सान्या को इस रोल के लिए बहुत पसंद किया गया था। डेब्यू फिल्म से ही वो स्टार बन गई थीं। फिल्म में आमिर खान लीड रोल में थे। फातिमा सना शेख का भी फिल्म में अहम किरदार था। फिल्म को नितेश तिवारी ने बनाया था। फिल्म का वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1968. 03 करोड़ था। इसके बाद वो पटाखा में नजर आईं। पटाखा में उनका किरदार बेबाक और बोल्ड सा था, जिसे सान्या ने परफेक्टली निभाया था। सान्या को बधाई हो, फोटोग्राफ, शकुंतला देवी, लूडो, पगलैट, मीनाक्षी सुंदरेश्वर, लव होस्टल, हिट, कटहल, जवान, सैम बहादुर जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है। अब उन्हें मिसेज में देखा जाएगा। ये एक हाउसवाइफ की कहानी है। इसके अलावा वो सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, ठग लाइफ, टोस्टर और अनुराग कश्यप की अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगी।

हेरा-फेरी-3 में दिखेगा तब्बू का ग्लैमरस लुक

हाल ही में निर्देशक प्रियदर्शन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर फिल्म हेरा फेरी 3 बनाने का एलान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को यह खबर दी। अपने पोस्ट में उन्होंने अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी को टैग किया। हेराफेरी की तीसरी कड़ी के एलान ने फैंस की खुशी दोगुनी कर दी है। अब तब्बू ने संकेत दिया है कि वे भी कास्ट में शामिल हो सकती हैं। प्रियदर्शन ने 30 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाया। अक्षय कुमार ने एक पोस्ट लिखकर प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि आपके साथ जन्मदिन मनाने का इससे बेहतर तरीका और क्या होगा कि मैं पूरा दिन आपके साथ सेट पर ही बिताऊं। इसके जवाब में प्रियदर्शन ने एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, मैं भी रिटर्न गिफ्ट देता हूं और मैं हेरा फेरी-3 बनाना चाहता हूं। क्या तुम तैयार हो? पोस्ट में उन्होंने अक्षय, सुनील शेट्टी और परेश रावल को टैग किया।

पहली फिल्म में तब्बू आई थीं नजर

तब्बू फिल्म हेरा फेरी (2000) में नजर आ चुकी हैं, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया। इस लोकप्रिय फ्रेंचाइजी फिल्म का दूसरा पार्ट साल 2006 में आया। इसे नीरज वोरा ने डायरेक्ट किया था। इसमें तब्बू नजर नहीं आईं। दूसरे पार्ट में बिपाशा बसु, सुनील शेट्टी, अक्षय और परेश रावल के अलावा राजपाल यादव और रिमी सेन दिखे। देखना दिलचस्प होगा कि प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही हेरा फेरी-3 में क्या तब्बू नजर आएंगी?

इस बात के करीब तीन-चार दिनों बाद सोमवार को तब्बू ने अक्षय कुमार वाली पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, कास्ट मेरे बिना पूरी नहीं होगी। तब्बू के इस पोस्ट ने हलचल मचा दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इन तीनों सितारों के साथ तब्बू भी इस फिल्म में नजर आएंगी।

कल ओटीटी पर रिलीज होगी गेम चेंजर

सिनेमाघरों से उतरने के बाद अब फिल्म गेम चेंजर ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। इसकी ओटीटी रिलीज डेट के बाद में जानकारी सामने आई है। राम चरण की गेम चेंजर के ओटीटी अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किया है। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने संकेत दिया है की फिल्म की डिजिटल रिलीज की तारीख का बहुत जल्द ही एलान किया जाएगा। हालांकि, सोशल मीडिया पर चल रहीं अटकलों के अनुसार, गेम चेंजर का प्रीमियर 6 फरवरी, 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर होने की उम्मीद है। हालांकि, इस तारीख को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है। वहीं, फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, गुजरते दिनों के साथ फिल्म का कलेक्शन गिरता चला गया। लगभग 450 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 130.74 करोड़ रुपये की कमाई ही की। अब देखना यह होगा की यह फिल्म ओटीटी पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर पाएगी या नहीं। शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं।

अजब-गजब | पति-पत्नी के रिश्ते पर कुठाराघात करती है ये कहानी

बिकवा दी पति की किडनी, पैसे मिलते ही बेटी और पति छोड़कर फेसबुकिया प्रेमी संग हुई फुर्र

जिंदगी में कब-क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता है। कई बार तो हमें उम्मीद भी नहीं होती है और ऐसी मुसीबत आ जाती है, जिसके बारे में सोचा भी नहीं होता है। कुछ ऐसा ही हुआ पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रहने वाले शख्स के साथ। शख्स को उसकी अपनी पत्नी ने ऐसा बेवकूफ बनाया कि वो सदमे से बाहर ही नहीं आ पा रहा है। महिला ने घर के हालात सुधारने के नाम पर पति की किडनी बेचकर पैसे खा लिए।

पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास पर ही टिका होता है लेकिन कई बार कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जो इसे तोड़ने में पलभर नहीं लगाते। एक ऐसी ही पत्नी ने अपने पति के साथ ऐसा धोखा किया, वो मरते दम तक पछताता रहेगा। पत्नी की बातों में आकर उसने सालभर तक किडनी बेचने के लिए कस्टमर ढूंढा और उसे किसी तरह गैर-कानूनी तरीके से ये करने का मौका भी मिल गया तो एक पैसे उसके हाथ में नहीं आए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला ने अपने पति को ये कहकर फुसलाया कि अगर वो अपनी एक किडनी बेच देगा, तो बदले में उसे

इतने पैसे मिल जाएंगे, जितने में उसके घर के हालात सुधर जाएंगे। 10 साल की बेटी बड़ी होकर अच्छी पढ़ाई पढ़ेगी और उसकी बढ़िया शादी भी हो जाएगी। पति अपनी बीवी की बातों में आ गया और सालभर किडनी बेचने के लिए ग्राहक ढूंढता रहा। चूंकि मानवीय अंगों को बेचना गैर कानूनी है, ऐसे में ब्लैक मार्केट में उसकी किडनी तीन महीने पहले बिक गई। इसके बदले उसे 10 लाख रुपये मिले। आदमी को नहीं पता था कि इतना बड़ा त्याग करने के बाद उसे धोखा मिलने वाला है।

पत्नी सारे पैसे लेकर अपने प्रेमी के साथ भाग गई। पति का आरोप है कि पत्नी बैरकपुर के रहने वाले प्रेमी से फेसबुक के जरिये मिली थी और दोनों ने मिलकर उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी। पति ने पुलिस की मदद से बीवी को ढूंढा भी और बेटी के साथ उसे वापस लाने गया। परिवार को आता देख पत्नी ने दरवाजा बंद कर लिया और वो तलाक की धमकी देने लगी। पत्नी अपने पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर तलाक लेना चाहती है। फिलहाल मामला पुलिस में दर्ज कर लिया और ये कोर्ट तक पहुंच चुका है।

इस समुदाय में दहेज तो छोड़िये वर पक्ष ही बारातियों के भोज की भी करता है व्यवस्था

आदिवासी समाज में वधू पक्ष पर किसी भी तरह के भोज या फिर बारातियों के स्वागत में खाने के इंतजाम का प्रेशर नहीं रहता। कई बार तो ऐसा होता है कि अगर वधू पक्ष असमर्थ है तो बाराती खुद अपना खाना लेकर आते हैं। आदिवासी समाज में महिलाओं को काफी सम्मान दिया गया है। वधू पक्ष के ऊपर किसी तरह का कोई दबाव न पड़े और उनको किसी भी कीमत में तकलीफ न पहुंचे इसी कारण से ऐसा किया जाता है। संताल देसमांझी के प्रमुख सलाहकार सुनील हेंब्रम ने बताया कि शादी-ब्याह में दहेज तो छोड़िए, वधू पक्ष के लोगों पर बरातियों को भोज खिलाने का भी जिम्मा नहीं होता। वधू पक्ष ने यदि तीन रुपये का भोज देना स्वीकार किया तो इसका मतलब ये निकला कि कन्या पक्ष बारातियों को कुछ खिला नहीं सकता। तब वर पक्ष ही भोजन की व्यवस्था करेगा। बाराती अपना भोजन खुद लेकर जाएंगे। यदि वधू पक्ष ने पांच रुपये का भोज स्वीकार किया, तो बारातियों को एक समय खाना खिलाया जाएगा। जो वधू पक्ष अमीर हैं और बरातियों को भोजन कराना चाहते हैं, तब 16 रुपये का भोज स्वीकार करते हैं। इसके तहत वधू पक्ष ही पूरी व्यवस्था करता है। उन्होंने बताया कि वधू पक्ष पर भोज की बाध्यता नहीं है।

सपा सांसद ने मिल्कीपुर चुनाव में जताई गड़बड़ी की आशंका

» अवधेश प्रसाद ने दो दर्जन से ज्यादा बूथों पर गड़बड़ी की चुनाव आयोग से की शिकायत

» सपा अध्यक्ष को फोन पर दी जानकारी, बोले- जनता लड़ रही है चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में दो दर्जन से ज्यादा बूथों पर गड़बड़ी के आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा है कि दो दर्जन से ज्यादा बूथों पर एजेंटों को भगाए जाने, फर्जी वोटिंग और मशीनें बंद किए जाने की शिकायतें मिली हैं। मैंने स्थानीय पर्यवेक्षकों और अपने नेताओं को इन मुद्दों की जानकारी दी है। ये घटनाएं अभी भी जारी हैं और कई शिकायतें मिल रही हैं।

जैसे-जैसे शिकायतें मिलेंगी, पर्यवेक्षकों को जानकारी दी जाएगी।

अखिलेश ने की चुनाव आयोग से शिकायत

मिल्कीपुर चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, चुनाव आयोग तुरंत इस समाचार से जुड़ी तस्वीरों का संज्ञान ले कि अयोध्या की पुलिस मिल्कीपुर में

मतदाताओं के आईडी कार्ड चेक कर रही है, जिसमें पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। ये अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध है। ऐसे लोगों को तुरंत हटाया जाए और दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए वोट डाला जा रहा है। भाजपा ऐसी स्थिति में है कि वह अपने प्रत्याशी की जमानत भी नहीं बचा पाएगी। इसी डर और असुरक्षा के कारण उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ 9 से 10 बार दौरा कर चुके हैं, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। पिछले तीन महीने से 16 मंत्री और 46 विधायक होने के बावजूद कोई फर्क नहीं पड़ा है। मिल्कीपुर का चुनाव यहां की जनता लड़ रही है।

केशव और भूपेंद्र ने की वोट डालने की अपील

दूसरी तरफ, मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने वोट करने की अपील की। केशव प्रसाद मौर्य ने मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपील करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि पहले मतदान, फिर जलपान। आज, उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव-2025 के लिए मतदान हो रहे हैं। मैं मिल्कीपुर के समस्त मतदाताओं से अपील करता हूं कि आप अपने क्षेत्र में सुशासन, विकास और सुरक्षा के संकल्प को और सुदृढ़ बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने लिखा कि मतदान आपका अधिकार ही नहीं, अपितु कर्तव्य भी है। उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव-2025 को लेकर आज हो रहे मतदान में सभी मतदाता भाइयों एवं बहनों से आग्रह करता हूं कि अपने क्षेत्र के चौमुखी विकास, बेहतर सुशासन एवं समृद्धि के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने-अपने मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

बीजेपी मिल्कीपुर चुनाव हार रही है : माता प्रसाद

» बोले- कई बूथों पर हमारे एजेंटों को डरा कर भगा दिया गया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडेय ने मिल्कीपुर चुनाव के संदर्भ में एक बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा है कि मिल्कीपुर में लोकतांत्रिक जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से केंद्रित है। सरकार को एहसास हो गया था कि वे मिल्कीपुर चुनाव आसानी से नहीं जीत पाएंगे। इसलिए हर बूथ पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। हमारे पास बहुत सारी शिकायतें आई हैं। कई बूथों पर हमारे एजेंटों को डरा कर भगा दिया गया है। फर्जी वोटिंग की कई शिकायतें आई हैं।

समाजवादी पार्टी के नेता माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हार के डर से भाजपा यह सब कर रही है, लेकिन मिल्कीपुर की जनता ने तय कर लिया है कि इस सीट पर समाजवादी पार्टी को ही जिताना है। दूसरी ओर माता प्रसाद पांडेय ने प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ दौरे को लेकर कहा कि यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी संगम में स्नान के लिए गए। हालांकि, उन्हें भगदड़ में मरने वालों और घायलों तथा हुई घटनाओं के बारे में भी जानकारी जुटानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा यह कह रही है कि हमारे आरोप गलत हैं। सच तो यह है कि भाजपा महाकुंभ में श्रद्धालुओं की मौतों का आंकड़ा छिपाना चाहती है।

नेतागीरी करने वालों से एक-एक करके निपटूंगी : महापौर

» शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए एलएसए कंपनी को दिया जाए मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ पार्षदों के साथ मुख्यालय में बैठक के बाद महापौर ने कहा कि एलएसए कंपनी को रोड स्वीपिंग का मौका दिया जाना चाहिए। कंपनी पांच जोन में घरों और डम्पिंग यार्डों से कूड़ा उठान का काम बेहतर कर रही है। पार्षद बेवजह विरोध कर रहे हैं। उनकी शंका का समाधान किया जाएगा।

महापौर ने कहा कि इस मामले पर नेतागिरी करने वालों से एक-एक करके बाद में निपटूंगी। सफाई कर्मचारियों के विरोध के बीच महापौर ने कहा कि अभी कार्यदायी संस्थाओं के कर्मचारी ही सफाई करेंगे। उन्हें कार्यदायी संस्था या नगर निगम वेतन देगा। महापौर ने

बताया कि 16 फरवरी को सदन की बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें पार्षदों के सवालों का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एलएसए कंपनी पांचों जोन में सड़कों और फुटपाथ के साथ नाले व नालियों की सफाई करने को तैयार है। इसके लिए कंपनी 16.58 करोड़ रुपये प्रतिमाह लेगी। कंपनी ही गाड़ियां खरीदेगी और मेंटीनेंस भी करेगी। कर्मचारियों को वेतन आदि भी कंपनी ही देगी।

उमा भारती ने अपनी ही सरकार को घेरा

» सौरभ शर्मा को बताया केंचुआ, कहा- बड़े अधिकारी कब पकड़े जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चेक पोस्ट घोटाले को व्यापमं घोटाले से भी बड़ा घोटाला करार दिया है। उन्होंने यह बयान परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के घर छापेमारी के बाद दिया है। उमा भारती ने कहा कि अगर एक सिपाही 1,000 करोड़ की संपति बना सकता है, तो सोचिए अफसरों और नेताओं ने कितना कमाया होगा। उमा भारती ने बताया कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही चेक पोस्ट बंद करने पर चर्चा शुरू हुई थी। उन्होंने इस बारे में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात की थी, लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

इसके बाद परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। घोटाला मामले में मध्य प्रदेश

परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उनके दो साथियों शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर को लोकायुक्त कोर्ट ने 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। ईडी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने असल आरोपियों को पकड़कर सजा दिलाने की मांग की है। उमा भारती ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स के ट्वीट कर लिखा कि चेक पोस्ट घोटाले के आरोपी पकड़े गए हैं। अगर जांच में कहीं यह साबित होता है कि इन्होंने अकेले ही यह घोटाले किए हैं तो फिर गहराई में जाने पर यह घोटाला एक गंभीर मसला हो सकता है। जो जांच एजेंसियां जांच में लगी हैं, उनकी दक्षता एवं निष्पक्षता पर लोगों को विश्वास है। अब उन जांच एजेंसियों के लिये यह परीक्षा की घड़ी है कि वह यह बात कहीं खत्म कर देते हैं या गहराई में जाकर के असली महा अपराधियों को पकड़ कर, प्रमाण जुटा कर उन्हें कठोरतम दंड दिला लेते हैं।

चेक पोस्ट घोटाला व्यापमं से भी बड़ा है : पूर्व सीएम

भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई में अब व्यक्ति का महत्व खत्म हो गया है। संगठन ही असली नेता है। उन्होंने कहा कि पीछे बैठे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाता है। वरना लोग हमेशा अपनी कुर्सी से चिपके रहना चाहते हैं। उमा भारती ने परिवहन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने चेक पोस्ट घोटाले को व्यापमं घोटाले से भी बड़ा बताया है।

बीसीसीआई ने बदले रणजी क्वार्टर फाइनल के स्थल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के आयोजन स्थल को बदल दिया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक अब यह मैच कोलकता में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने यह सूचना देरी से जारी कि जिसके चलते क्वार्टर फाइनल खेल रही दोनों टीमो को आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई टीम की रवानगी में देरी हो गई है क्योंकि उन्हें बीसीसीआई द्वारा आयोजन स्थल में देर से बदलाव की सूचना दी गई।

टीम को बुधवार सुबह 5 फरवरी को लाहली पहुंचना था, जहां उन्हें शुक्रवार से हरियाणा से खेलना था। यह मैच अब कोलकाता में शिफ्ट कर दिया गया है। मंगलवार शाम को बोर्ड द्वारा

मुंबई और हरियाणा के बीच क्वार्टर फाइनल कोलकाता में होगा

सूचित किए जाने के बाद मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) अब टीम के लिए जल्द से जल्द कोलकाता के लिए उड़ान भरने की व्यवस्था करना चाहता है। इस मामले ने मेज़बान हरियाणा को भी आश्चर्यचकित कर दिया है क्योंकि बीसीसीआई ने देर से बदलाव के लिए कोई कारण नहीं बताया है। मुंबई की तरह हरियाणा के भी बुधवार देर रात कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। लाहली में मौसम पिछले कुछ दिनों से साफ है और एसोसिएशन को बंसी लाल स्टेडियम में मैच की मेजबानी करने का भरोसा था, जिसने इस सीजन में अपने सभी तीन घरेलू मैचों की मेजबानी की थी।

जम्मू-कश्मीर और केरल के बीच पुणे में होगा मुकाबला

नहीं मिलेगा घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा

सूत्रों की माने तो हरियाणा की तरह, जम्मू-कश्मीर को भी घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिलेगा क्योंकि केरल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जम्मू से पुणे के स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। हालांकि, लाहली के विपरीत, पता चला है कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) कड़ी सर्दियों के कारण मैदान की स्थिति को लेकर चिंतित था और उसने बीसीसीआई को इसके बारे में बता दिया था। जेकेसीए मुंबई या अहमदाबाद में इस मैच की मेजबानी करने का इच्छुक था, लेकिन ये दोनों जगह उपलब्ध नहीं थे, जिसके बाद मैच को पुणे में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

युवाओं ने डाले जमकर वोट

पहली बार वोटर्स बने युवाओं में देखने को मिला उत्साह का माहौल

» आतिशी सरकार की तारीफ की, रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैसे तो चुनाव में प्रत्येक वोर्ट महत्वपूर्ण होता है। लेकिन स्विंग वोट जीत और हार की बाजी तय करते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी ऐसा ही हो रहा है और प्रत्येक व्यक्ति की निगाहे स्विंग वोट के साथ पहली बार वोट डालने जा रहे युवा मतदाताओं पर है।

राष्ट्रीय राजधानी में करीब 1.56 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें पहली बार वोट डालने जा रहे युवाओं की सख्या भी है। दिल्ली में आज पड़े वोटों में युवा मतदाताओं ने बेरोजगारी, युवा सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को प्राथमिकता में रख कर वोट डाले। विशेष रूप से, कुछ फर्स्ट टाइम वोटर्स ने बेरोजगारी के बारे में चिंता व्यक्त की वही अधिकतर युवा आप सरकार की योजनाओं के साथ इंटेक्ट दिखी।18-26 आयु वर्ग की जीवंत और टेक्नोलॉजी-प्रेमी पीढ़ी अपनी सक्रिय भागीदारी के साथ चुनावी प्रक्रिया में क्रांति ला रही है।

फर्स्ट टाइम वोटर्स में दिखा उत्साह

राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र के टैगोर गार्डन में एक मतदान केंद्र पर अपना पहला वोट डालने के बाद 21 वर्षीय वंशिका ने कहा, मैं मुख्य रूप से बेरोजगारी की तरफ ध्यान ले जाना चाह रही हूं। उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगी कि सरकार बेरोजगारी को लक्षित करे और अधिक अवसर पैदा करे। उन्होनें आतिशी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि वह अच्छा काम कर रही है। करोल बाग विधानसभा क्षेत्र के दरियागंज में एक मतदान केंद्र पर सबसे पहले मतदान करने वालों में से एक स्मिता वर्मा ने कहा कि वोट डालना हमारा अधिकार है। लोग सरकार के बारे में शिकायत करते रहते हैं, लेकिन जब तक हम बाहर नहीं निकलेंगे और अपने वोट नहीं डालेंगे, तब तक एक निष्पक्ष सरकार कैसे सत्ता में आएगी? हर वोट मायने रखता है। हम इस दिन को छुट्टी के रूप में लेते हैं, लेकिन हमें पहले अपना वोट डालना चाहिए और फिर कहीं और जाना चाहिए।

दिल्ली में कितने वोटर्स हैं?

बता दें कि दिल्ली में 1,56,14,000 रजिस्टर्ड मतदाता हैं, जिनमें 83,76,173 पुरुष, 72,36,560 महिलाएं और 1,267 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदाताओं में 18-19 आयु वर्ग के 2,39,905 पहली बार मतदाता, 85 वर्ष और उससे अधिक आयु के 1,09,368 बुजुर्ग मतदाता और 79,885 विकलांग व्यक्ति भी शामिल हैं। इस बीच, नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोधी एस्टेट में मतदान केंद्रों पर सबसे पहले आने वाले मतदाताओं को पौधे दिए जा रहे हैं। दिल्ली में जहां आम आदमी पार्टी अपनी शासन व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में है, वहीं भाजपा और कांग्रेस फिर से सत्ता में आने की कोशिश में हैं।

राहुल की दिल्ली वालों को सलाह, वोट देने जरूर जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में हो रहे मतदान के बीच लोगों से मतदान देने की अपील की। उन्होंने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली के मेरे प्यारे भाइयों-बहनों, मैं आप सभी से अपील करता हूं कि आज वोट देने अवश्य जाएं।

उन्होंने दिल्ली की जनता को विश्वास दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस को दिया आपका एक-एक वोट आपके अधिकारों की रक्षा करेगा, संविधान को मजबूत करेगा और दिल्ली को प्रगति के पथ पर फिर से मोड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में चर्चा में रहे मुद्दों का भी जिक्र अपने पोस्ट में किया।

उन्होंने कहा कि वोट देते समय याद रखें कि प्रदूषित हवा, गंदा पानी, टूटी सड़कों के लिए कौन जम्मिेदार है। स्वच्छ राजनीति करने की बात बोलकर दिल्ली का सबसे बड़ा घोटाला किसने किया। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर दिल्ली की जनता से कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील की थी। अपने पोस्ट में कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोटिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेरी दिल्ली की सम्मानित जनता से अपील है कि अपना कीमती वोट ज़रूर डालें। आपका एक वोट दिल्ली में बदलाव का प्रतीक साबित होगा।

टूटी सड़कों को जरूर ध्यान में रखें

उन्होंने आगे कहा कि अगर दिल्ली को पहले जैसे विकास के पथ पर अग्रसर करना है तो उन लोगों को चुनें जिन्होंने दिल्ली के लिए सच में काम किया है। आपसे झूठे वादे कर आपको ठगा नहीं है। जिन लोगों ने टूटी सड़कें, गंदा पानी, जगह-जगह गंदगी और प्रदूषित हवा के लिए रत्ती भर भी कदम नहीं उठाया और केवल बहानेबाज़ी की, आपको ईवीएम पर बटन दबाने से पहले सोचना होगा कि वे आपकी कितनी चिंता करते हैं। जो लोग केवल नूरा कुश्ती कर सत्ता पर क़ाबिज़ रहना चाहते हैं, वे आपके वोट के सही हकदार नहीं हैं। दिल्ली का भाईचारा, सौहार्द, उसकी समृद्धि, खुशहाली, और संपूर्ण समावेशी विकास सर्वोपरि है। आपको उसे चुनना चाहिए जिसने दिल्ली को तरक्की की राह पर पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि मैं अपने युवाओं से, ख़ासकर पहली बार वोटिंग करने वाले नागरिकों से अनुरोध करता हूं कि लोकतंत्र के इस उत्सव में आपका स्वागत है और मतदान में भाग ज़रूर लें। होगी हर जरूरत पूरी, दिल्ली का विकास है जरूरी।

नोएडा के स्कूलों को एक बार फिर मिले धमकी भरे मैसेज

» कौन है जो लगातार भेज रहा है स्कूलों को धमकियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को अहले सुबह कुछ स्कूलों को ई-मेल के माध्यम से धमकी दी गई, जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने बिना वक्त गवाए पुलिस को इसकी सूचना दी। जिन स्कूलों को धमकी दी गई है, उनमें हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल शामिल है। हालांकि, धमकी के बाद भी स्थित सामान्य है। कक्षाओं को पुनः शुरु कर दिया गया है।

बम स्क्वॉड ने शुरू की जांच

स्कूलों को धमकी मिलने के बाद पुलिस और बम स्कवॉड मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। बम स्कवॉड में स्कूलों के कोणे-कोणे की सघन जांच की। हालांकि, उनके कोई भी बम बरामद नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले दिसंबर, 2024 को भी नोएडा के थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल को देर रात 12 बजे एक ई-मेल आया था। इसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुबह स्कूल पहुंची प्रधानाचार्य ने जब मेल चेक किया तो बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल पड़ा। मेल पढ़कर वह घबरा गईं और स्कूल के स्टाफ को बुलाया और मेल के बारे में बताया।

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

» महिलाओं पर फोकस कर बनाया घोषणा पत्र

» कांग्रेस का आरोप, सरकार ने छीन लिया रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्तीसगढ़। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज कहा कि घोषणा पत्र जनता को समर्पित है। उन्होंने कहा है कि हम नगरीय निकाय चुनाव में इस घोषणा पत्र को लेकर जाएंगे। शहर और जनता के विकास के लिए बहुत ही शानदार और एक सरल तरीके से घोषणा पत्र कांग्रेस ने लॉन्च किया है, जो पूरी तरह से प्रदेश की जनता के लिए समर्पित है।

दीपक बैज के मुताबिक घोषणा पत्र को महिलाओं को फोकस करके बनाया गया है। क्योंकि सरकार ने महिलाओं का रोजगार छीना है और उनके लिए कोई भी काम नहीं किया है। हमारी कांग्रेस सरकार में जो रोजगार दिया गया था, उसे भी वर्तमान भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। यही कारण है कि एक बार फिर महिलाओं के हाथ को मजबूत करने के लिए इस घोषणा पत्र को लाया गया है।

पीएम मोदी पर कसा तंज

पीएम मोदी के महाकुंभ दौरे को लेकर कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में जितनी मौतें हुई हैं, उस विषय पर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रायश्चित करना चाहिए। सभी परिवारों से उन्हें माफी मांगनी चाहिए। दिल्ली चुनाव को लेकर दीपक बैज ने कहा, दिल्ली में आज वोटिंग हो रही है। इस समय दिल्ली में कांग्रेस का अच्छा माहौल देखने को मिल रहा है। उम्मीद है कि पार्टी पहले की अपेक्षा ज्यादा सीट जीतकर आएगी।

महंगाई रोकने को कम हो सकता है रेपो रेट

» एसबीआई की ताजा रिसर्च में किया गया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक की ताजा रिसर्च के मुताबिक आरबीआई बुधवार से शुरू होने वाली अपनी फरवरी 2025 की नीति बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। उसने कहा कि संपूर्ण सहजता चक्र में ब्याज दर में कम से कम 75 आधार अंकों की कटौती होगी।

एसबीआई रिसर्च ने कहा कि जून 2025 में एक अंतराल के बाद, दरों में कटौती का दूसरा दौर अक्टूबर 2025 में शुरू हो सकता है। इसने आगे कहा कि आरबीआई लिक्विडिटी फ्रेमवर्क पर फिर से विचार करने की जरूरत है रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आरबीआई भविष्य में नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) का उपयोग केवल तरलता प्रबंधन तंत्र के बजाय एक नियामक हस्तक्षेप उपकरण के रूप में शुरू कर सकता है।

रिपोर्ट में केंद्रीय बैंक द्वारा अपने तरलता प्रबंधन ढांचे पर पुनर्विचार करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया है, तथा सुझाव दिया गया है कि सीआरआर दैनिक तरलता आवश्यकताओं के लिए लगातार समायोजन उपकरण के बजाय एक प्रतिचक्रीय तरलता बफर के रूप में काम कर सकता है। वर्तमान में, आरबीआई खुले बाजार परिचालन (ओएमओ), नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) और रेपो दर जैसे कई उपायों के माध्यम से तरलता का प्रबंधन करता है।

नये गवर्नर की पहली बैठक

एसबीआई की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि सीआरआर का उपयोग तत्काल तरलता समायोजन के बजाय व्यापक वित्तीय स्थितियों के आधार पर तरलता को विनियमित करने के लिए रणनीतिक रूप से किया जाना चाहिए। नए गवर्नर संजय मल्होत्रा की यह पहली एमपीसी बैठक होगी। तीन नए सदस्य भी अपनी पहली एमपीसी बैठक में भाग लेंगे।पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्र ने तीन नए सदस्यों की नियुक्ति की थी, जिनके नाम थे- सौगत भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री; डॉ. नागेश कुमार, निदेशक और मुख्य कार्यकारी, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान; तथा प्रोफेसर राम सिंह, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय।

नगर निगम को वित्तीय क्षति पहुंचाने वालों को राहत दिए जाने का षड़यंत्र

» निगम के दागियों को बचा रहा है बाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ।बड़ी खबर लखनऊ के नगर निगम से जहां निगम को चूना लगाने वाले भ्रष्ट कर्मचारियों की शिकायतों की फाइल को दबा देने का खेल खेला जा रह है। यह खेल कोई और नहीं विभाग के एक बाबू जी खेल रहे हैं।

प्रभाकर दयाल
राजस्व निरीक्षक

गौरतलब है कि प्रभाकर दयाल पर जोन 8 में एक महिला ने अपने साथ छेड़छाड़ और शरीरिक संबध बनाने की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने यह शिकायत नगर आयुक्त से भी की थी शिकायत की रिपोर्ट निकाय निदेशालय भेजी गई थी। मामले में जांच चल रही है। यही नहीं दूसरे कई अन्य कर्मचारियों की हुई शिकायतों पर भी जांच चल रही है।

पुख्ता जानकारी

सूत्रों के माध्यम से मिली जानकारी के मुताबिक निकाय निदेशालय में एक बाबू की मिलीभगत से जांच की फाइलों को दबा दिया जाता है। राहुल यादव, सुबोध वर्मा, अजय वर्मा, इन सभी राजस्व निरीक्षकों की जांच चल रही लेकिन रिपोर्ट नहीं पेश की जा रही। रिपोर्ट के बाद ही दागी कर्मचारियों पर कार्रवाई होती है।

कब होगी कार्रवाई

सवाल यही है कि आखिर नगर निगम की छवि धूमिल करने वालों पर किसकी मेहरबानी बनी हुई है। कब होगी ऐसे लोगों पर कारवाई जिन्होंने नगर निगम को चुना भी लगाया साथ ही नगर निगम की छवि भी धूमिल की है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।